भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

30.07.2025 के

तारांकित प्रश्न सं. 157 का उत्तर

उत्तराखंड में नई रेलवे लाइन/रेलगाड़ियां

***157. श्री अजय भट्ट:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान नई रेल परियोजनाओं के लिए उत्तराखंड को परियोजना-वार कुल कितनी धनराशि आवंटित की गई है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 30.07.2025 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 157 के उत्तर से संबंधित विवरण।

रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन राज्य-वार नहीं बल्कि क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है, क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्यों की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। रेल अवसंरचना परियोजनाओं को स्वीकृत करना सतत् और गतिशील प्रक्रिया है। रेल अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं को लाभप्रदता, यातायात अनुमान, अंतिम छोर तक संपर्कता, अनुपलब्ध कड़ियों और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों का संवर्धन, सामाजिक-आर्थिक महत्व आदि के आधार पर स्वीकृत किया जाता है जो चालू परियोजनाओं की देयताओं, निधियों की समग्र उपलब्धता और प्रतिस्पर्धी मांगों पर निर्भर करता है।

उत्तराखंड में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली नई लाइन परियोजनाएं भारतीय रेल के उत्तर रेलवे और पूर्वोत्तर रेलवे ज़ोनों के अंतर्गत आती हैं। रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार विवरण भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराया जाता है।

दिनांक 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, उत्तराखंड राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 40,384 करोड़ रुपए की लागत की 216 किलोमीटर कुल लंबाई वाली 03 नई लाइनें स्वीकृत की गई हैं, जिनमें से 16 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2025 तक 19,898 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है।

कार्यों की संक्षेप में स्थिति निम्नानुसार है:

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2025 तक व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	03	216	16	19,898

उत्तराखंड में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	187 करोड़ रुपए प्रति वर्ष
2025-26	4,641 करोड़ रुपए (लगभग 25 गुना)

सभी रेल परियोजनाओं का जोन-वार/वर्ष-वार विवरण भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराया जाता है।

उत्तराखंड राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली प्रमुख परियोजनाओं की स्थिति निम्नानुसार हैः-

- हाल ही में, देवबंद-रुड़की नई रेल लाइन परियोजना (27 किलोमीटर) को पूरा कर लिया गया है। इससे दिल्ली और देहरादून के बीच की दूरी लगभग 40 कि.मी. कम हो जाएगी।

- ऋषिकेश-कर्णप्रयाग नई रेल लाइन परियोजना (125 किमी) भारतीय रेल की एक प्रतिष्ठित परियोजना है जो पूर्ण रूप से उत्तराखंड राज्य में स्थित है। यह हिमालय के दुर्गम भूवैज्ञानिक और चुनौतीपूर्ण भूभाग से होकर गुजरती है। इस परियोजना का उद्देश्य उत्तराखंड में संपर्कता में बदलाव लाना है।

यह परियोजना उत्तराखंड के देहरादून, टिहरी गढ़वाल, पौड़ी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग और चमोली जिलों से होकर गुज़रती है और देवप्रयाग तथा कर्णप्रयाग जैसे धार्मिक और पर्यटन स्थलों को ऋषिकेश और भारत की राष्ट्रीय राजधानी से रेल संपर्क मुहैया कराएगी।

इस परियोजना का संरेखण मुख्यतः सुरंगों से होकर गुज़रता है। इस परियोजना में 105 कि.मी. लंबी 16 मुख्य लाइन सुरंगें और लगभग 98 कि.मी. लंबी 12 बचाव सुरंगों का निर्माण कार्य शामिल है। अभी तक, 13 मुख्य लाइन सुरंगों और 9 बचाव सुरंगों का निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है।

कार्यों की प्रगति बढ़ाने के लिए, विभिन्न सुरंगों में 08 प्रवेश मार्गों की भी पहचान की गई। इन प्रवेश मार्गों द्वारा सुरंग खुदाई के अतिरिक्त कार्यक्षेत्रों का निर्माण किया गया जिससे लंबी सुरंगों के निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करने में तेज़ी आई। सभी 8 प्रवेश मार्गों का कार्य भी पूरा किया जा चुका है।

तदनुसार, कुल 213 किलोमीटर की सुरंग निर्माण परियोजना में से 199 किलोमीटर सुरंग निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है।

भारतीय रेल में पहली बार, हिमालयी भूविज्ञान में सबसे लंबी सुरंग (टी-8), जो 14.8 किलोमीटर लंबी है, के निर्माण कार्य को तेजी से पूरा करने के लिए सुरंग खुदाई मशीन (टीबीएम) का उपयोग किया गया। सुरंग खुदाई मशीन के द्वारा इस सुरंग का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि पारिस्थितिकी और आसपास के वातावरण को न्यूनतम हानि हो, सुरंग निर्माण कार्यों को सभी सावधानियों और नवीनतम प्रौद्योगिकियों के साथ किया जा रहा है।

पिछले तीन वर्षों अर्थात 2022-23, 2023-24, 2024-25 और मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान, उत्तराखंड राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले कुल 146 किलोमीटर लंबाई के 03 सर्वेक्षण कार्य (02 नई लाइन और 01 दोहरीकरण) स्वीकृत किए गए हैं।

*****